



ASVP

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA

(UGC Peer Reviewed Referred Journal)

Chief Patron :

Prof. Kalplata Pandey

Vice- Chancellor, Jannayak Chandra Shekhar University, Ballia (U.P.) India

Patron:

Prof. (DR.) Shorosimohan Dan

(Former Pro-Vice Chancellor & Former Vice Chancellor, The University of Burdwan, Former Visiting Research Fellow, University of New South Wales, Sydney, Australia, Life Member, IIPA, New Delhi).

Vice- Chancellor, Post Graduate and Research Institute. Dakhsin Bharat Hindi Prachar Sabha, Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu) India

President:

DR. Ram Naresh Yadav

Asso. Prof., Deptt. Of Sociology, S.M.M.T. P.G. College, Ballia, (U.P.) India

Managing Director/ Publisher & Chief Editor

DR. Rajeev Kumar Srivastava

Asst. Prof. Deptt. Of Sociology, Shri Sudrisht Baba P.G. College, RaniGanj, Ballia, (U.P.) India
Aryavart Shodh Vikas Sansthan, Ballia (U.P.) India

Managing Editor:

DR. Vivek Mani Tripathi, Asst. Prof. (Indology), Faculty of Afro-Asian Languages and cultures, Guangdong University of Foreign Studies, Guangzhou, Guangdong- China

Guest Editor :

Prof. Hu Rui

Deptt. Of Hindi, Vice- Dean, Faculty of Foreign Studies, Guangdong University of Foreign Studies, China

Prof. Vinod Kumar Mishra

Former General Secretary, World Hindi Secretariat, Mauritius,
HOD- Hindi Department, Tripura University, Agartala, (Tripura), India

Associate Editor :

DR. Arti Yadav, Assistant Professor, Dept: Defence and strategic studies, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur, (U.P.) India

Co-ordinating Editor:

DR. Dilip Srivastava

Dean- Art & Law Faculty, JNC University & Principal, S.M.M.T.D. College, Ballia (U.P.) India

DR. Sudha Trivedi

HOD- Deptt. of Hindi, MOP Women's College, Nuga bankam, Chennai (Tamilnadu) India

Prof. Pradeep K. Sarma.

Registrar, Post Graduate and Research Institute. Dakhsin Bharat Hindi Prachar Sabha, Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu) India

Executive Editor:

Prof. (DR.) A.R. Khan, Dean- Faculty of Education B R A Bihar University, Muzaffarpur (Bihar) India

Prof. Sarfaraj Ahmad, Ex. HOD- Deptt. of Sociology, Patna University, Patna (Bihar) India

Prof. Mohd. Sarmad Jamal, Principal- Magadh College of Education, Gaya (Bihar) India

Treasurer / Section Editor (Art and Humanities / Education):

Archana Srivastava, Aryavart Shodh Vikas Sansthan & Aryavart Shodh Vikas Patrika, Ballia (U.P.) India



Brief Contents

1. A Study of Alienation Among Muslim and Non-muslim Undergraduate Femal Students	1—3
-1. Prof. A.R. Khan 2. Asrana Perween, Muzaffarpur (Bihar)	
2. Economic Liberalization	4—6
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	
3. From Early Child Development to Human Development	7—9
-1. Prof. A.R. Khan 2. MD AQUIL AZHAR, Muzaffarpur (Bihar)	
4. Start-up-India (Eco system)	10—12
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	
5. Industrial Development, Distribution Problems Policy suggestions and spatial plan for location of Industries in Jaunpur District	13—17
-Vineet Narain Dubey, Ballia (U.P.)	
6. YOGA- A way to decrease stress in life	18—23
-Shaifali Agarwal, Moradabad (U.P.)	
7. THE ROLE OF TEACHERS IN THE COVID-19 TIMES: EDUCATION'S FRONTLINE WORKERS	24—27
- Shazia Fatma, Patna (Bihar)	
8. GENDER DISCRIMINATION IN EDUCATION: A CAUSE OF CONCERN	28—31
- Shazia Fatma, Patna (Bihar)	
9. SABKASATH SABKA VIKAS AND OUR TAXATION SYSTEM	32—34
- Piyush Mittal, Gorakhpur (U.P.)	
10. Migrant Agricultural Workers in India and the COVID-19 lockdown	35—38
- Shashi Bala, Varanasi (U.P.)	
11. The spirit of Buddhism and the historical introduction of Buddhist religion	39—46
-1. Rajeev Ranjan Kumar 2. Hefang Yao, Guangzhou (China)	
12. Employment of unemployed poor communities with the help of new product	47—48
-1. Purnima Kumari Prajapati 2. Komal Singh 3. Archana vaishya, Amethi (U.P.)	
13. XRD studies of transition metal ions doped in (ZrO ₂) 0.8 (Y ₂ O ₃)0.2 ceramic compound.	49—51
-1. Om Prakash Gupta, 2. R K Mishra, Kanpur (U.P.)	
14. Development and standardization of biscuits by using jamun seeds powder	52—55
-1. Shashikant Tripathi, 2. Komal Singh, 3. Archana Vaishya, Lucknow (U.P.)	
15. Distress and Depression among Adolescents in context to Educational State	56—58
- Mamata Verma, Ballia (U.P.)	
16. A Review Paper on Enrichment of Bread with Different Types of Multiseeds	59—63
-1. Sandeep Kumar Singh 2. Komal Singh 3. Dr. Archana Vaishya, Amethi, (U.P.)	
17. Interface between Society and Literature	64—68
- Sandeep Rai, Gorakhpur (U.P.)	
18. Women and Gender Equality in Higher Education in India: Issues and Challenges	69—72
- Bharti Kureel, Varanasi (U.P.)	



19. Correlation Between Mass Media And Socio-Economic Status Of School Going Adolescents In Varanasi City	73-75
- Alpana Singh, Deoria (U.P.)	
20. भारत में ग्रामीण गरीबी एवं रोजगार के बदलते स्वरूप	76-77
-रूपाली नाग, जौनपुर (उ०प्र०)	
21. नक्सली मनोवैज्ञानिक युद्ध कर्म	78-81
-अनूप कुमार श्रीवास्तव, गोरखपुर (उ०प्र०)	
22. "मेघदूत" राष्ट्रीयता का उन्मेष	82-85
-हिमा गुप्ता, कोटा (राजस्थान)	
23. भारतीय संस्कृति एक विरासत, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तथा वसुधैव कुटुम्बकम्	86-89
-जनार्दन झा, देवरिया (उ०प्र०)	
24. पर्यावरणीय बोध का उत्कृष्ट महाकाव्य : कामायनी	90-92
-किरण कुमार, शिमला (हिमाचल प्रदेश)	
25. महाभारत में वर्णित राम का स्वरूप	93-96
-1. सुमन रानी 2. प्रोफे० मन्जुनाथ एन. अंबिग	
1. मद्रास (तमिलनाडु) 2. एणाकुलम (केरल)	
26. हिन्दी दलित कवयित्रियों के काव्य-लेखन में सामाजिक अस्मिता की आहट	97-99
-नीतू देवी, कानपुर (उ०प्र०)	
27. प्रसार माध्यमों की उपयोगिता	100-102
-प्रोफे. संतोष सुभाषराव कुलकर्णी, लातूर (महाराष्ट्र)	
28. कालिदास के ग्रन्थों में प्रकृति का आकलन	103-104
-संध्या पाण्डेय, सतना, (म०प्र०)	
29. अभिमन्यु अनत के उपन्यासों में प्रवासियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन	105-110
-1. सीमा दास 2. सीमा चंद्रन, कासरकोड (केरल)	
30. डॉ० श्यौराज सिंह 'बेचैन' की रचनाओं में दलित समाज की यथार्थपरक स्थिति	111-113
-गुड़िया चौधरी, मद्रास (तमिलनाडु)	
31. वीरेंद्र जैन के उपन्यासों में चित्रित स्त्री और परिवारविमर्श	114-116
-एस.राजलक्ष्मी, चेन्नई (तमिलनाडु)	
32. समसामयिकता के संदर्भ में नागार्जुन-साहित्य का मूल्यांकन	117-119
-हर्षलता शाह, चेन्नई (तमिलनाडु)	
33. भारत-रूस आर्थिक एवं वाणिज्यिक सम्बन्ध	120-123
(विशेष सन्दर्भ: वर्ष 1991 ई० से 2005 ई० तक)	
-विजय सिंह, लखनऊ (उ०प्र०)	
34. शिक्षा समस्याएं और समाधान	124-127
-चमन सिंह, वाराणसी (उ०प्र०)	
35. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास : अभिव्यंजना शिल्प	128-130
-जय मंगल प्रसाद यादव, गाजीपुर (उ०प्र०)	
36. मसि कागद छूओं नहीं	131-135
-आशीष कुमार साव, उत्तर 24 परगना (पं० बंगाल)	
37. ई-कचरा अर्थात् इलेक्ट्रानिक कचरा	136-137
-राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)	
38. हिन्दी और मगही के सार्वनामिक रूप : एक तलनात्मक विवेचन	138-141
-मुकेश कुमार झा, बलिया (उ०प्र०)	



- | | | |
|-----|---|---------|
| 39. | बौद्ध धर्म में महासांघिक विचारधारा का उद्भव एवं विकास
- ज्योति राय, हरिद्वार (उत्तराखंड) | 142-146 |
| 40. | कुषाण शासकों के सिक्कों पर अंकित देवी-देवता
-सारिका दुबे, हरिद्वार (उत्तराखंड) | 147-151 |
| 41. | वर्तमान सार्वजनिक पुस्तकालय : उपयोगिता, महत्व,
समस्यायें एवं समाधान "एक अध्ययन"
-उमेश चन्द्र, सतना (म०प्र०) | 152-156 |
| 42. | विजय दानदेथा : जीवन, परिवेश और साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं का अवदान
-संतोष कुमार, पेरिया (केरल) | 157-160 |
| 43. | रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य धाराएं
-आभा श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०) | 161-164 |
| 44. | जनांकिकीय आधार पर औद्योगिक विकास की स्थिति :
गोरखपुर के विशेष सन्दर्भ में
-1. महीष कुमार श्रीवास्तव 2. प्र० करुणाकर राम त्रिपाठी, गोरखपुर (उ०प्र०) | 165-168 |
| 45. | अवक्रमित प्रकृति का संदेश : कोरोना प्रकोप
(Massage of Degraded Nature : Corona Virus)
-अंजनी प्रसाद दूबे, हरिद्वार (उत्तराखंड) | 169-172 |
| 46. | महिलाओं तथा शिशुओं में पोषकता की स्थिति तथा स्वास्थ्य सेवाओं
की समीक्षा : जनपद हरिद्वार के विशेष सन्दर्भ में
-अंजनी प्रसाद दूबे, हरिद्वार (उत्तराखंड) | 173-176 |
| 47. | भीष्म साहनी के उपन्यासों में सामाजिक जीवन दृष्टि
(विशेष सन्दर्भ: 'नीलू नीलिमा नीलोफर' में प्रेम एक स्वभाविक प्रक्रिया)
-किरण यादव, गाजीपुर (उ०प्र०) | 177-180 |
| 48. | स्त्री शोषण में भेद नहीं होता (महाश्वेता देवी के लेखन के सन्दर्भ में)
-1.विजय प्रधान 2. श्यामली पाण्डेय, टोंक (राजस्थान) | 181-184 |
| 49. | हिन्दी दलित साहित्य : समीक्षात्मक स्वरूप
-शबनम तब्बसुम, अलीगढ़ (उ०प्र०) | 185-191 |
| 50. | रामधारी सिंह दिवाकर के उपन्यासों में चित्रित ग्रामीण जन-जीवन
-लक्ष्मी देवी, जम्मू (जम्मू-काश्मीर) | 192-195 |
| 51. | गीतांजलि श्री के कथा-साहित्य में नारी-जीवन
-नीलम कुमारी, जम्मू (जम्मू-काश्मीर) | 196-199 |
| 52. | तृतीय योनि और मानव तस्करी के यथार्थ को दर्शाता : गुलाम मंडी
-निशा देवी, जम्मू (जम्मू-काश्मीर) | 200-203 |
| 53. | कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिन्दी कविताएं
-ग्लीनसिया सी एक्स, कालामासेरी (केरल) Glinshia CX, Kalamassery (Kerala) | 204-206 |
| 54. | काशीवासी प्रवासी विधवाएं सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति
-मंजीत सिंह, जौनपुर (उ०प्र०) | 207-210 |
| 55. | काष्ठ हस्तशिल्प (लकड़ी के खिलौनों के विशेष संदर्भ में)
-राजेश कुमार पाल, चित्रकूट (उ०प्र०) | 211-213 |
| 56. | विधवाओं की समाज में भागीदारी
-मंजीत सिंह, जौनपुर (उ०प्र०) | 214-217 |
| 57. | ग्रामीण युवकों में नशीले पदार्थों में प्रयुक्त पदार्थ
-अखिलेश कुमार सरोज, जौनपुर (उ०प्र०) | 218-220 |
| 58. | सूर्यबाला की कहानियों में स्त्री बोध
-हरिश्चन्द्र अग्रहरि, सतना (म.प्र.) | 221-223 |



59. प्राचीन भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाएँ एवं पद्धतियाँ : एक अध्ययन -आशुतोष कुमार मिश्रा, ग्वालियर (म0प्र0)	224-226
60. वर्तमान परिदृश्य में विश्वशान्ति और सर्वोदय विचार : एक अध्ययन -पवन कुमार मिश्रा, ग्वालियर (म0प्र0)	227-228
61. जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता एवं पर्यावरणीय संसाधन : एक भौगोलिक अध्ययन -सितेश भारती, रीवा (म0प्र0)	229-232
62. मूर्तिकार श्री अवतार सिंह पंवार -विभावरी सिंह, लखनऊ (उ0प्र0)	233-235
63. उत्तर प्रदेश राज्य के विशेष परिप्रेक्ष्य में, ब्रिटिश विद्रोही 'विमुक्त जनजातियों' की विवेचना -बी के लोधी, प्रयागराज (उ0प्र0)	236-241
64. गोरख पांडे का साहित्य और भोजपुरी जन ध्वनि -संदीप राय, गोरखपुर (उ0प्र0)	242-246
65. जनवादी कवि और आधुनिक युग के कबीर "नागार्जुन" -अर्जुन पासवान, गोहाटी (आसाम)	247-249
66. भारत में सामाजिक स्तरीकरण -विनोद कुमार मिश्र, चित्रकूट (उ0प्र0)	250-252
67. विश्वबोध की संवाहिका कलाकृतियाँ -संजीव किशोर गौतम, लखनऊ (उ0प्र0)	253-254
68. कोरोना का निदान और पं. दीन दयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिता -रामकृष्ण उपाध्याय, बलिया (उ.प्र.)	255-258
69. गाजीपुर जनपद (उ0प्र0) में विपणन केन्द्रों की उत्पत्ति एवं विकास -बब्बन राम मऊ (उ0प्र0)	259-263
70. चीनी संस्कृति में भारतीय बौद्ध धर्म का प्रभाव -राजीव रंजन कुमार, क्वांगचो, (चीन)	264-267
71. महाभारत में नैतिकता की अवधारणा -हू रूई (Hu Rui) क्वांगडोंग, (चीन)	268-272
72. जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य (पद्मविभूषण से सम्मानित) (एक परिचय) -मुकुन्द मोहन पाण्डेय, चित्रकूट (उ.प्र.)	273-275
73. अनुसूचित जाति मुसहरों की पिछड़ेपन की समस्याएँ -मैनेजर प्रसाद, गोरखपुर (उ.प्र.)	276-278
74. कोरोना (COVID & 19) वैश्विक प्रभाव -ममता मणि त्रिपाठी, कुशीनगर (उ.प्र.)	279-281
75. भारतीय दण्ड संहिता में महिलाओं के विरुद्ध अपराध पर कानून -सुजीत कुमार यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	282-286
76. व्यावसायिक चयन में लिंग परक रूढ़ि धारणाएँ एवं महिलाओं का उस पर प्रभाव -सुजीत कुमार यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	287-289
77. ग्रामीण समाज की अवासीय दशाएँ -स्मिता यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	290-292
78. कृषि व्यवसाय ग्रामीण जीवन की अर्थ व्यवस्था -सुषमा यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	293-295



79. ग्रामीण भारत एवं सूचना प्रौद्योगिकी (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) -अजीत कुमार, बोध गया (बिहार)	296-298
80. मानवाधिकार : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण -संगीता यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	299-301
81. आजादी प्राप्ति के पश्चात् महिला शिक्षा का विकास -मो० अंसार आलम अंसारी, दरभंगा (बिहार)	302-304
82. महादलित की अवधारणा -प्रमोद कुमार, बोध गया (बिहार)	305-306
83. ग्रामीण सत्ता संरचना के आधारों में परिवर्तन -रमेश कुमार, बोध गया (बिहार)	307-309
84. अनुसूचित जाति की महिला उत्पीड़न में अभिजात्य वर्ग की भूमिका (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) -सत्येन्द्र कुमार, बोध गया (बिहार)	310-312
85. गद्य विद्याओं पर विजयदेव नारायण साही का समाजवादी चिंतन -विद्या कुमारी, गया (बिहार)	313-314
86. इंटरनेट पर हिंदी का बढ़ता आधिपत्य -विनोद कुमार, फरुखाबाद	315-316
87. स्वयं सहायता समूह की समस्या एवं समाधान -शैलेन्द्र प्रसाद सिंह, बोध गया (बिहार)	317-319
88. HUMAN RIGHTS IN ACCORDANCE WITH A VIEW OF SECOND PHASE OF WOMEN - Manish Kumar Dubey, Kanpur (U.P.)	320-322
89. पुलिसिया पंचतंत्र एवं जनता -बजरंग बहादुर सिंह, आजमगढ़ (उ.प्र.)	323-326
90. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में महामारी कारण एवं निवारण -मनोज कुमार सिंह, सोनभद्र (उ.प्र.)	327-328
91. सतत् विकास एवं पर्यावरण संरक्षण -रेनू पाण्डेय, सीधी (म०प्र०)	329-330
92. Women Empowerment in Indian Banking Sector : Issues and Challenges - Pankhuri Bhagat, gorakhpur (U.P.)	331-335
93. Social, Environment And Economic Responsibilities Of Sustainable Business In India - Jyoti Prakash, Gorakhpur (U.P.)	336-342
94. A study of Subjective Happiness of Retired Employees in Bihar - Adnaan Ahmad, Kharagpur (West Bengal)	343-345
95. राजेश जोशी का विद्रोही तेवर : नव वामपंथी कविताओं के आईने से -बैजू के, कोच्चि (केरल)	346-349
96. भारत में महिला सशक्तिकरण और पंचायती राज व्यवस्था का : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन -रामाश्रय यादव, आजमगढ़ (उ०प्र०)	350-352
97. भारतीय सामाजिक - राजनीतिक व्यवस्था और पर्यावरण -रामनरेश यादव, बलिया (उ०प्र०)	353-354



98. वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एवं भारत —आरती यादव, गोरखपुर (उ०प्र०)	355—358
99. मंजूर एहतेशाम के उपन्यासों में चित्रित मध्यवर्गीय समाज की आर्थिक स्थिति —सुमन देवी, रोहतक (हरियाणा)	359—361
100. सूचना प्रौद्योगिकी एवं आधुनिक तकनीक से भारत का ग्रामीण विकास —अमरनाथ प्रसाद, पटना (बिहार)	362—368
101. गीत—संगीत, फिल्मों, धारावाहिकों का बदलता स्वरूप —रेखा कुमारी, (दिल्ली)	369—370
102. पिछड़ी जातियों का राजनीतिक संस्कृति एक समाजशास्त्रीय अध्ययन —संजीव कुमार, पटना (बिहार)	371—372
103. विश्वविद्यालय शिक्षकों के बदले आयाम — धन्जय कुमार, नालंदा (बिहार)	373—376
104. उत्तर—उपनिवेशवाद और एडवर्ड एम सेड—समाजशास्त्रीय विश्लेषण — 1. रवि कुमार मिश्र 2. अरविन्द कुमार मिश्र, 1.जौनपुर (उ०प्र०) 2.प्रयागराज (उ०प्र०)	377—379
105. मुख्यमंत्री के रूप में लालू प्रसाद एवं मंडल आयोग — रमेश सिंह, जहानाबाद (बिहार)	380—382
106. Growth of Women Entrepreneurship in Bihar — HIMANSHU SINGH, Rohtash (Bihar)	383—385
107. Woman Entrepreneurs in India — HIMANSHU SINGH, Rohtash (Bihar)	386—388
108. Tourism Planning In India - Assessment — Amit Kumar Srivastava, Buxar (Bihar)	389—391
109. महामना का भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में योगदान — अस्मित शर्मा, गोरखपुर (उ०प्र०)	392—396
110. आधुनिकता के दर्पण में दलित चिंतन — धर्मेश कुमार, गोरखपुर (उ०प्र०)	397—399
111. रेलवे का विकास और उत्तर भारत पर प्रभाव — ममता पासवान, गोरखपुर (उ०प्र०)	400—401
112. हिन्दी साहित्य में 'नारी' शब्द के विभिन्न अर्थ — निधि श्रीवास्तव, बक्सर (बिहार)	402—404
113. भारत में भ्रष्टाचार का उदय — मनोज रजक, जसपुर नगर (छत्तीसगढ़)	405—406
114. बापू द्वारा राष्ट्र की सेवा में स्थापित दक्षिण के सौ वर्ष पुरानी संस्था — प्रदीप के० शर्मा, मद्रास (तमिलनाडु)	407—409
115. दलित समुदाय एवं सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूकता (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) — प्रमोद कुमार, गया (बिहार)	410—411
116. शिशु के विकास में टीकाकरण जरूरत है या औपचारिकता — नित्या कुमारी, बोधगया (बिहार)	412—413
117. निर्धनता उमूलन एवं सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन — मो० क्यूम, गया (बिहार)	414—416
118. चम्पारण की थारुओं की जैविक सम्पदा एवं नदियाँ — साधु शरण सिंह, नालन्दा (बिहार)	417—419



119. वैवाहिक हिंसा में धन की भूमिका - सुर्यकान्ति कुमारी, पटना (बिहार)	420-422
120. Responsibility of Business Towards Society - Kritika Kiranan	423-425
121. BUSINESS IN THE 21ST CENTURY:E-COMMERCE - KUMAR ADITYA	426-428
122. Differential Impact of Educational Climate On Student Morale of Private And Government Schools - Asha Kumari, Bodh Gaya (Bihar)	429-433
123. भारतीय विदेश नीति में हिन्दुत्ववादी विचारधारा : एक विश्लेषण - विजय कुमार, गोरखपुर (उ0प्र0)	434-438
124. भारतीय ग्रामीण समाज की सामाजिक संरचना - संगीता यादव, आजमगढ़ (उ0प्र0)	439-440
125. भारत में कृषक श्रमिकों उद्भव - दयाशंकर सिंह यादव, चन्दौली (उ0प्र0)	441-443
126. बौद्धकाल में उच्चशिक्षा का स्वरूप - सुनील कुमार मिश्र, मुजफ्फरपुर (बिहार)	444-446
127. मृच्छकटिकस्य रचनाविधानम् - त्रायम्बक नाथ पाण्डेय, बलिया (उ0प्र0)	447-449
128. FUNDAMENTAL PRINCIPLES OF PLAY IN FIELD HOCKEY - Abhinav Singh, Deoria, (U.P.)	450-453
129. राष्ट्ररत्न शिवप्रसाद गुप्त और महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ - 1. निशा राठौर, 2. अभिषेक कुमार गुप्ता, आगरा (उ0प्र0)	454-455
130. LAND HOLDING IN THE GANA SAMGHAS OF BUDDHA'S TIME - Rakesh Kumar singh, Deoria (U.P.)	456-458
131. ROLE OF ICT IN HIGHER EDUCATION - Vineeta, Hathras (U.P.)	459-461
132. Habitual Forms Of Delinquent Behaviour Of Juveniles - Akhil Kumar Saxena, Mainpuri, (U.P.)	462-465
133. ANALYSIS OF A QUEUEING MODEL WITH ROLLBACK/ RECOVERY STRATEGY - 1. DR. RACHNA KHURANA, 2. DR. MANJU SHARMA, Agra, (U.P.)	466-471
134. दलित चेतना का वर्तमान परिप्रेक्ष्य - डॉ० जितेन्द्र कुमार, सम्भल (उ0प्र0)	472-474
135. Right To Fair Trial V. Freedom Of Media: The Conflict - 1. Sanjeev Sharma 2. Riju Nigam, Agra, (U.P.)	475-480
136. प्रातिशाख्यों में वर्णित बल विचार का भाषा वैज्ञानिक महत्व - डॉ० विनीता सिंह, बरेली (उ0प्र0)	481-484
137. Molecular Interaction Of Di-methyl Sulphoxide In Alcohol - DR. SHIV NANDAN, Firozabad, (U.P.)	485-486
138. श्री अरविन्द के दर्शन में विकासवाद और दिव्य जीवन - डॉ० राघवेन्द्र प्रताप मिश्र, कुशीनगर (उ0प्र0)	487-490
139. महामारी का शिक्षा पर गंभीर वैश्विक प्रभाव - आशा बिष्ट, रामगढ़, (झारखण्ड)	491-493
140. पर्यावरण संरक्षण हेतु विधायी प्रावधानों एवं जनचेतना की प्रासंगिकता - डॉ० डी० पी० एस रावत, मुरादाबाद (उ0प्र0)	494-496
141. नाट्य-रूप : परम्परा एवं प्रयोग - आयुष बघेल, वाराणसी (उ0प्र0)	497-502



-
- | | |
|--|---------|
| 142. Food, Nutrition, and Identity Across Diverse Populations
- DR. Indra Pratap Singh, Ballia (U.P.) | 503—504 |
| 143. Proper Management And Care Of Dairy Animals
- DR. Indra Pratap Singh, Ballia (U.P.) | 505—507 |
| 144. भारतीय चित्रकला और वैश्विक मंच पर रोजगार के अवसर
- डॉ० रश्मि शर्मा, मथुरा (उ०प्र०) | 508—511 |